Seventeenth Loksabha

an>

Title:Demand to grant recognition to yarn made from Solar Charkha on the line of Khadi.

माननीय सभापति : श्री सत्यदेव पचौरी जी।

… (व्यवधान)

श्री सत्यदेव पचौरी (कानपुर): महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग मंत्री का ध्यान सौर चरखा से निर्मित कपड़े को खादी की मान्यता देने के सम्बन्ध में दिलाना चाहता हूँ।…(व्यवधान)

महोदय, वर्तमान समय में हमारे देश में खादी का उत्पादन चरखे के माध्यम से दो प्रकार से होता है। …(व्यवधान) एक परम्परागत चरखे द्वारा, जो हमारी महिलाएं घर में चलाती हैं, 8 घंटे में उससे मात्र 400 ग्राम खादी का उत्पादन होता है। …(व्यवधान) दूसरा, सौर चरखा है, जो सौर एनर्जी से चलता है। …(व्यवधान) जिसमें खादी का उत्पादन 8 घंटे में 1600 ग्राम होता है। …(व्यवधान) भारत सरकार द्वारा हाथ के बने हुए वस्त्रों को खादी की मान्यता प्राप्त है, लेकिन सोलर चरखे से बनी हुई खादी को खादी की मान्यता प्राप्त नहीं है। …(व्यवधान) इसलिए उसको अनुदान की श्रेणी में नहीं रखा गया है।…(व्यवधान)

महोदय, एमएसएमई मंत्रालय, भारत सरकार ने वर्ष 2018 में‘ मिशन सोलर चरखा ’के माध्यम से एक पायलट परियोजना नवादा जनपद, बिहार में प्रारम्भ की थी। …(व्यवधान) जिसमें 550 करोड़ रुपये का बजट रखा गया था। …(व्यवधान)

50 सौर समूहों द्वारा सोलर चरखे से खादी का उत्पादन किया गया था। …(व्यवधान)

माननीय सभापति: आप अपना अनुरोध रखिए।

… (व्यवधान)

श्री सत्यदेव पचौरी: महादेय, बहुत बड़ी संख्या में लोगों को रोजगार भी मिला था, लेकिन यह योजना आगे नहीं बढ़ सकी, क्योंकि सरकार उस पर अनुदान नहीं देती है। …(व्यवधान) महोदय, मेरी भारत सरकार के सूक्ष्म एवं लघु उद्योग मंत्री जी से मांग है कि यदि सौर चरखे से निर्मित खादी के वस्त्रों को

खादी की मान्यता देंगे तो ग्रामीण क्षेत्रों में बहुत अधिक संख्या में लोगों को रोजगार मिलेगा। एक नए भारत के निर्माण में ...(व्यवधान)

माननीय सभापति : श्री मद्दीला गुरूमूर्ति ।

... (व्यवधान)

माननीय सभापति : श्रीमती नवनित रवि राणा।

... (व्यवधान)